राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शानिवार 29 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-272 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों के मेडिकल कॉलेजों पर ईडी ने छापे मारे, 36 लोगों पर केस दर्ज किया गया

इन राज्यों में कार्रवाई

महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 15 जगहों पर छापे मारे गए।

1) डी. पी. सिंह, वाइस चांसलर, (टीआईएस), मुंबई
2) रवि शंकर महाराज, इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च, रायपुर
3) डॉ. चित्रा एमएस, नेशनल मेडिकल कमीशन
4) डॉ. रजनी रेड्डी, नेशनल मेडिकल कमीशन
5) डॉ. अशोक शैलके, नेशनल मेडिकल कमीशन

मुंबई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा किए जाने वाले इंस्पेक्शन की पहले से जानकारी देने के बदले करोड़ों की रिश्वत लेने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों पर कार्रवाई की। बताया गया है कि महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों में 15 जगहों पर छापे मारे गए।

इसमें अलग-अलग राज्यों के सात मेडिकल कॉलेज शामिल हैं और इस मामले में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के पूर्व चेयरमैन और मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएस) के चांसलर डी.पी. सिंह समेत 36 लोगों पर केस दर्ज किया गया। सीबीआई ने सबसे पहले इस मामले में केस दर्ज किया था। अब ईडी ने अब मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आठ अधिकारी यह रैकेट चला रहे थे। स्वास्थ्य मंत्रालय से जानकारी और फाइलें लेकर फोटो खींचकर प्राइवेट कॉलेजों को भेजी जा रही थीं।

इसलिए, जब भी इंस्पेक्शन टीम किसी कॉलेज में जाती, तो इन कॉलेजों के अधिकारियों को इसकी जानकारी पहले ही मिल जाती थी। इसके मुताबिक, इन कॉलेजों के अधिकारी वहां बोगस मरीज और बोगस कर्मचारी दिखाते थे। इससे इन कॉलेजों को अपने काम के लिए परमिशन मिलना आसान हो गया। इस जानकारी के

बदले में मिनिस्ट्री और नेशनल मेडिकल कमीशन के बड़े अधिकारी लाखों रुपये की रिश्वत लेते थे।

स्कैम का खुलासा

चंडीगढ़ के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज को फेवरेबल रिपोर्ट देने के लिए आठ अधिकारियों ने कुल 55 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। इसमें नेशनल मेडिकल काउंसिल के 3 डॉक्टर भी शामिल थे। सीबीआई द्वारा इन सभी आठों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद इस देशव्यापी रैकेट का खुलासा हुआ।

आधार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी, महाराष्ट्र सरकार ने ले लिया बड़ा फैसला

▶▶ 11 अगस्त 2023 के बाद आधार के बेस पर बने सभी जन्म प्रमाण पत्र होंगे रद्द

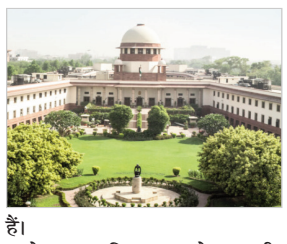

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के 12 राज्यों में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया के बीच आधार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बहस चल रही है। कोर्ट के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण है या नहीं। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। फडणवीस सरकार ने 11 अगस्त 2023 के बाद आधार कार्ड के बेस पर बनाए गए सभी जन्म प्रमाण पत्रों को रद्द करने की घोषणा की है। इन जन्म प्रमाण पत्रों को अब कोई दस्तावेज नहीं माना जाएगा। सिर्फ आधार कार्ड के जरिए बने ये सभी जन्म प्रमाणपत्र रद्द किए जाएंगे।

गैर कानूनी कामों के लिए इस्तेमाल होने वाले नकली जन्म प्रमाण-पत्रों और डेथ सर्टिफिकेट को रोकने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है। राजस्व मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले ने आधार कार्ड के जरिए बनाये सभी संदिग्ध सर्टिफिकेट को रद्द करने का आदेश दिया साथ ही अब तक जिन अधिकारियों ने यह सर्टिफिकेट जारी किए हैं उनपर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

रेवन्यू विभाग ने सभी तहसीलदारों, सब डिविजनल ऑफिसर, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डिविजनल कमिश्नर को 16 पॉइंट की एक वेरिफिकेशन गाइडलाइन जारी की है। बिहार में एसआईआर के दौरान भी आधार कार्ड को वैध दस्तावेज नहीं मानने को लेकर बवाल मचा था। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से एसआईआर के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार को भी शामिल करने का आदेश दिया था। हालांकि मुद्दा अभी पूरी तरह सुलझा नहीं है।

सरकार और चुनाव आयोग की दलील है कि किसी व्यक्ति के पास महज आधार कार्ड होने भर से उसे भारत का नागरिक नहीं माना जा सकता। ऐसे कई मामले देखने में आए हैं जिसमें भारत में घुसपैठ कर रहने वाले लोगों ने भी अपना आधार कार्ड बनवा लिया है। तमाम ऐसे मामले पश्चिम बंगाल में सामने आए हैं।

दिल्ली बम धमाकों ने आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ दिया : राम माधव

नई दिल्ली

आरएसएस नेता राम माधव ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल के बारे में बयान दिया है। संघ के नेता राम माधव ने अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए डॉक्टर मॉड्यूल और लाल किले के पास हुए आतंकी हमले के मुख्य आरोपी (जो कि एक डॉक्टर था) के बारे में कहा कि आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अब तक यह माना जाता था कि आतंकवाद का शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और यह गरीबी का परिणाम है। लेकिन लाल किला ब्लास्ट की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का शिक्षा या गरीबी से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक धारणा (परसेप्शन), एक सोच (आइडियोलॉजी) का परिणाम है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि ओसामा बिन लादेन इंजीनियर था और अल-जवाहिरी डॉक्टर था, फिर भी आतंकवादी थे। उन्होंने इस बात को खारिज किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने यह स्वीकार किया कि किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद से नहीं जोड़ा जा सकता। एक आतंकवादी का अपना धर्म होता है। लोग धार्मिक आधार पर आतंक की तरफ बढ़ रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट का मुख्य आतंकी अपने कृत्यों को सही ठहराने के लिए कुरआन की आयतों का हवाला दे रहा था। हमें अब यह मानना पड़ेगा कि आतंकवादियों की धार्मिक प्रेरणा होती है। राम माधव ने आतंकवादियों को भटका हुआ नौजवान बताकर उनका बचाव करने वाले बुद्धिजीवियों और लोगों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह नकारना पुराना बचाव वाला और माफी मांगने वाला प्रचार है। उन्होंने लिबरल और मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी आह्वान किया कि वे इस मुद्दे पर खुलकर सामने आएं और आतंकवाद का खड़े होकर मुकाबला करें।

भारी जीत के बाद अब बिहार की एनडीए की नीतीश सरकार निभा रही अपना वादा

10 लाख महिलाओं के खातों में 10,000-10,000 की राशि करने जा रही ट्रांसफर

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए सरकार अपने चुनावी वादों को प्राथमिकता दे रही है। आमतौर पर सरकारी वादे चुनाव के बाद भुला दिए जाते हैं, लेकिन बिहार सरकार ने शुक्रवार को 10 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10,000-10,000 की राशि ट्रांसफर करने जा रही है। यह राशि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 'जीविका दीदी स्कीम' की लाभार्थियों को दी जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि इन लाभार्थियों में से करीब 9.5 लाख महिलाएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि 50,000 महिलाएं शहरी क्षेत्रों से हैं। ये सभी महिलाएं जीविका समूह से जुड़ी हुई हैं, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मंत्री श्रवण ने कहा कि यह राशि अलग-अलग चरणों में बांटी जाएगी और सभी योग्य लाभार्थियों को 14 दिसंबर तक यह पेमेंट मिल जाएगा।

नीतीश सरकार इस योजना के तहत पहले ही एक करोड़ 40 लाख महिलाओं के अकाउंट में 10,000 की राशि डाल चुके हैं। शेष बची महिलाओं को यह पैसा शुक्रवार को भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस योजना ने बिहार चुनाव परिणाम में एनडीए की जीत में बड़ी भूमिका निभाई है।

उधमपुर के एक गांव से जंगल की ओर भागते दिखे तीन संदिग्ध आतंकी

▶▶ सुरक्षा बलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को तीन संदिग्ध आतंकी देखे गए हैं। इस सूचना के मिलते ही सुरक्षा बलों ने हाई लेवल सर्च ऑपरेशन प्रारंभ कर दिया। बताया गया है कि संदिग्ध लोग चिल्ला बलोठा गांव से जंगल की ओर भागे हैं।

शुरुआती सूचना के आधार पर बताया गया है, कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में देखे गए तीनों संदिग्ध आतंकी चिल्ला बलोठा गांव में एक स्थानीय व्यक्ति से खाने-पीने का सामान लेकर पास के ही जंगल में भाग गए हैं। इस सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी की और बसंतगढ़ के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इस सर्चिंग में ड्रोन और स्निफर डॉग की भी मदद ली जा रही है। पहाड़ी क्षेत्र के साथ ही जंगल घना होने के कारण ऑपरेशन में परेशानी आने की भी बात सामने आई है।

वहीं दूसरी तरफ संदिग्ध आतंकी देखे जाने के बाद से ही सुरक्षा बलों ने घर-घर तलाशी अभियान भी शुरु कर दिया है। क्षेत्र में अतिरिक्त जवान भी तैनात किए गए हैं। देखे गए संदिग्धों के भागने के संभावित रास्तों पर कई नाके बना दिए गए हैं, ताकि कोई भी बचकर निकल न सके। इसी के साथ सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत ही पुलिस को दें।

यहां बताते चलें कि 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही सुरक्षाबल जम्मू-कश्मीर में सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए है। संदिग्ध आतंकियों के लिंक खंगाले जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को भी पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) से जुड़े कई लोगों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की है। सुरक्षाबल व पुलिस लगातार संयुक्त कार्रवाई करने में लगे हैं।

अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठाए.....लाखों डुप्लीकेट मतदाता

मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लिस्ट में लाखों डुप्लीकेट मतदाता होने की बात कही हैं। अजित पवार का बयान तब आया है, जब देश भर में एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोर पकड़ रहा है। साथ ही बीएमसी चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। राज्य के कई स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना की रैली में पवार ने कहा, मुंबई में दोहरे, तिहरे और चौगुने मतदाताओं की संख्या करीब 11 लाख है। हाल ही में एक ट्रेंड देखा गया है, जहां अगर किसी के पक्ष

में मतदान नहीं हो रहा है, तब कुछ मतदाताओं को अलग वार्डों में भेज दिया जाता है। मैंने निर्वाचन आयोग से सूची में हुई गलतियों को सुधारने का अनुरोध किया है। ऐसा सालों से हो रहा है। महाराष्ट्र में इस तरह की डबल, ट्रिपल वोटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रहीमतपुर नगर परिषद चुनावों से पहले रैली में उन्होंने मेयर पद के लिए नंदन सुनील माने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, चुनाव धमकियां देकर नहीं जीते जाते। मतदाताओं से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर ने हर जाति और धर्म, अमीर और गरीब के लिए वोट के समान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर या अनजाने में गलती कर रहा है, तब उस तत्काल सुधारा जाना चाहिए। लोगों को फैसला करने दें कि वे किसे जीतते देखना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

देश के एक करोड़ घरों में मार्च 2027 तक रूफटाप सोलर लगाने का लक्ष्य

पीएम सूर्या घर योजना के पहले चरण में मुजफ्फरपुर, नालंदा व पटना का चयन

मुजफ्फरपुर देश के एक करोड़ घरों में मार्च 2027 तक रूफटाप सोलर सिस्टम पहुंचाने का लक्ष्य है। पीएम सूर्या घर योजना के तहत पहले चरण में बिहार के तीन शहरों का चयन इसके लिए किया गया है। इनमें मुजफ्फरपुर, नालंदा और पटना को शामिल किया है। इन शहरों में सिटी एक्सेलरेटर प्रोग्राम (सीएपी) के तहत रूफटाप सोलर सिस्टम को फास्ट ट्रैक तरीके से क्रियान्वित कराया जाएगा। देश में कुल सौ शहरों में इस शुरुआती चरण में रूफटाप सोलर सिस्टम पहुंचाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवीन और नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय के निदेशक ने तीनों जिले के डीएम को पत्र भेजा है। इसमें योजना के तेजी से क्रियान्वयन के लिए तीनों शहरों के लिए सलाहकार की प्रतिनियुक्ति किए हैं। इसके अलावा एक स्टेट समन्वयक की भी प्रतिनियुक्ति की है। मुजफ्फरपुर के लिए विकास कुमार, नालंदा के लिए ए गोपाल और पटना के लिए रितेश कुमार को सिटी सलाहकार बनाया गया है। प्रभात लाखेरा स्टेट समन्वयक के रूप में रहेंगे। बता दें पीएम सूर्या घर योजना का उद्देश्य घरों में मुफ्त बिजली के साथ इससे कमाई भी कराना है। पीएम मोदी ने इसकी शुरुआत की थी। इसमें सोलर ऊर्जा से तीन सौ यूनिट तक बिजली मिल सकेगी। शहरों में रूफटॉप सौर ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने के लिए ही सीएपी शुरू किया है। निदेशक के पत्र के मुताबिक सिटी सलाहकार की मदद से सीएपी को बेहतर तरीके से लागू किया जा सकेगा। वे निकायों और ऊर्जा कंपनियों को तकनीकी मदद प्रदान करेंगे। इसके अलावा जागरूकता और निगरानी में भी मदद करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स में आई खराबी, ट्रेडिंग को रोका

लाखों डॉलर के कारोबार पर हुआ असर, बाजार में लेनदेन पूरी तरह बंद

मुंबई अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स में अचानक आई तकनीकी समस्या के कारण ट्रेडिंग को रोक दिया गया। एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर ट्रेडिंग हलटेड का अलर्ट दिखाई देने के बाद बाजार में लेनदेन बंद हो गया, जिससे लाखों डॉलर के कारोबार पर असर हुआ। टेक्निकल खराबी सामने आने से पहले सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट में तेज उछाल दर्ज किया जा रहा था और कीमत 53.82 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई थी, जो करीब 1.71फीसदी की बढ़त दर्शाती है। इस दौरान सिस्टम में ग्लिच आने के बाद सभी ऑर्डर प्रोसेसिंग रोक दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कॉमेक्स की तकनीकी टीम समस्या को ठीक करने में लगी हुई है। एक्सचेंज ने कहा कि बाजार को दोबारा खोलने से पहले सिस्टम की स्थिरता और सुरक्षा की जांच की जाएगी। निवेशकों और ट्रेडर्स को सलाह दी गई है कि वे एक्सचेंज के अगले अपडेट का इंतजार करें।

आज जंग का स्वरुप लगातार बदल रहा है, जो विषय भविष्य के लगते....वे पुराने हो सकते

चाणक्य डिफेंस डायलॉग को संबोधित कर सीडीएस चौहान ने कहा

नई दिल्ली राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध लगातार खुद को बदलता और बनाता रहता है। जो विषय भविष्य के लगते हैं, वे लागू होने से पहले ही पुराने हो सकते हैं। यह एक ऐसा रिस्क है जो सेना को उठाना पड़ता है। इसकारण फ्यूचर वॉरफेयर के मुताबिक अंदाजा लगाना, तैयारी करना हमारे अस्तित्व से जुड़ा है। इसका दूसरा कोई ऑप्शन नहीं है। सीडीएस चौहान ने सैम मॉनेकशॉ सेंटर में चल रहे चाणक्य डिफेंस डायलॉग में ये कहा। इसके पहले प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू चाणक्य डिफेंस डायलॉग के शुभारंभ सेशन में शामिल हुईं। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कीनोट एड्रेस दिया। चाणक्य डिफेंस डायलॉग के पहले दिन तीन खास थीमैटिक सेशन भी हुए, जिसमें सीनियर पॉलिसीमेकर, डिफेंस लीडर, स्ट्रेटेजिक और इंडस्ट्री के जानकार शामिल हुए। इस दौरान कई तरह के मुद्दों को कवर किया गया, जिसकी शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर- एक सॉवरेन स्ट्रेटेजिक जीत से हुई, उसके बाद चेंजिंग स्टेटस को- डिफेंस रिफॉर्म्स को जरूरी बनाना, और सिविल-मिलिट्री फ्यूजन- ड्राइवर्स फॉर चेंज के साथ खत्म हुआ। हर सेशन में नेशनल सिक्योरिटी, डिफेंस ट्रांसफॉर्मेशन और भारत के स्ट्रेटेजिक पोस्चर में आज की चुनौतियों और भविष्य के रास्तों पर बात की गई।

एचएएल प्रमुख डीके ने कहा, दुबई घटना से तेजस कार्यक्रम के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने दुबई एयर शो में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के क्रैश होने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। उन्होंने दो टूक कहा कि घटना से तेजस कार्यक्रम के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

एक कार्यक्रम में सुनील ने कहा, तेजस में बिल्कुल कोई समस्या नहीं है। मैं इस मंच से ये घोषणा करता हूं। यह एक बहुत शानदार एयरक्राफ्ट हैं, इतना ही नहीं पूरी तरह से सुरक्षित है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सबसे बेहतरीन है। दुबई में जो हुआ, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। इसका तेजस के भविष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें यह पहला मौका था जब तेजस विदेशी धरती पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। वहीं जब से तेजस बना है, तब से केवल दो बार ही क्रैश हुआ है। वहीं 1993 से 2013 तक अमेरिका में 174 एयर शो क्रैश हुए, जिसमें 91 लोग मारे गए।

एचएएल चेयरमैन सुनील ने कहा कि जब कोई देश आगे बढ़ता है और अपनी खुद की तकनीक कसित करता है, तब उस कई चरणों से गुजरना होता है। आज हमने नई क्षमता के साथ इस 4.5 जेनरेशन के एयरक्राफ्ट को बनाया है। यह एक बहुत बड़ी सफलता है और हम इस पर गर्व करते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ये पूरी तरह से सुरक्षित एयरक्राफ्ट है। इसके भविष्य को लेकर कोई सवाल ही नहीं है। हमारे पास करीब 180 तेजस हैं और यह संख्या आगे बढ़ेगी। हम पास इस विमान के लिए एक्सपोर्ट मार्केट भी होगी।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन ने कहा कि हम यू-सीएवी- कैटस वॉरियर बना रहे हैं। यह अगले साल तक तैयार हो

जाएगा, और हमें उम्मीद है कि यह 2027 तक उड़ान भरेगा। उन्होंने कहा कि हम यूएचएम (यूटिलिटी हेलीकॉप्टर मैरीटाइम)- डेक-बेस्ड वर्जन के लिए यूटिलिटी हेलीकॉप्टर पर भी काम कर रहे हैं। यह इस साल उड़ान भरना शुरू कर देगा, और दो साल में डिलीवरी होगी...उन्होंने कहा कि सरकार की नीति है कि भारत वैश्विक स्तर पर उभरे और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने।

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग का साजिशकर्ता दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग कराने के मुख्य साजिशकर्ता को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस गैंगस्टर की पहचान बंधु मान सिंह सेखों के रूप में हुई है, जो गोल्डी ढिल्लो गैंग का भारत-कनाडा बेस्ड हैंडलर बताया जा रहा है और उसके खिलाफ कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ने उसके कब्जे से हाई-एंड पीएक्स-3 पिस्टल 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में खुले कनाडा के सरे इलाके में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' को सबसे पहले 10 जुलाई को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया था। उसके बाद 7 अगस्त और 16 अक्टूबर को कैफे पर दो और हमले

हुए। कपिल शर्मा ने मुंबई में कहा था कि कनाडा में उनके कैफे पर फायरिंग की तीन घटनाओं ने अधिकारियों को देश में ऐसे हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वहां के नियम और पुलिस के पास शायद ऐसी घटनाओं को कंट्रोल करने की शक्ति नहीं है, लेकिन जब हमारा मामला हुआ, तो यह संघीय सरकार के पास गया और कनाडा की संसद में इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भगवान जो भी करते हैं, हमें उसके पीछे की कहानी पता नहीं चलती...मुझे वहां से बहुत से लोगों के कॉल आए जिन्होंने मुझे बताया कि बहुत कुछ हो रहा था। शर्मा ने कहा कि मैंने मुंबई या हमारे देश में कहीं भी कभी असुरक्षित महसूस नहीं किया। मुंबई जैसा कोई दूसरा शहर नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

माइक्रोसॉफ्ट का अनुबंध यूएई और अन्य देशों के साथ है। अमेज़न वेब सर्विसेज़ 'एडब्ल्यूएस यूरोपियन सॉवरेन क्लाउड' प्रदान करता है। निजी व्यवसाय भी माइक्रोसॉफ्ट के एज़्यूर और गूगल क्लाउड से सॉवरेन क्लाउड का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें डेटा स्थानीयकरण और एन्क्रिप्शन शामिल है। हालांकि, ऐसी 'संप्रभुता को सेवा के रूप में' प्रस्तुत करने को औपनिवेशिक राज का एक समकालीन संस्करण बताने वाली बयानबाज़ी भी शुरू हो गई।

अतनु बिस्वास

किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्धिमानी भरे निर्णय लेने होंगे। अब जबकि हमारा देश 'भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है। डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना ज़रूरी है। उनका मानना था कि 'मनो-राजनीति' (साइकलोपॉलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है। स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक 'फार्माकोन' है- ज़हर जो इलाज भी करता है - और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना 'इस्तेमाल' करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग 'महत्वपूर्ण गहनता' के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में 'तकनीकी संप्रभुता' की अवधारणा का पुनर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यतः भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरुआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवतः चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया। एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डाटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। इसमें विदेशी नियंत्रण केंद्रों पर निर्भरता से बचना, संवेदनशील डाटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डाटा हो। इस प्रकार, 'डेटा संप्रभुता' और 'एआई संप्रभुता' आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। आज राष्ट्रों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है। उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है। अप्रैल 2024 में प्रकाशित विश्व आर्थिक मंच के एक लेख में, जिसका शीर्षक है 'संप्रभु एआई- यह क्या है, और इसकी प्राप्ति के छह रणनीतिक स्तंभ', के अनुसार, संप्रभु एआई के लिए प्रयास का अर्थ अनिवार्य रूप से डिजिटल अलगाव नहीं है, बल्कि रणनीतिक लचीलेपन के लिए प्रयास है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर किया जा सकता है। रणनीतिक स्तंभ, जिनमें डिजिटल बुनियादी ढांचा, कार्यबल विकास, अनुसंधान, विकास एवं नवाचार, नियामक एवं नैतिक तानाबाना, एआई उद्योग को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं, ये अवयव देशों को अपनी संप्रभु एआई क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे। इसलिए, संप्रभु एआई का मार्ग जटिल है और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर सावधानीपूर्वक, दीर्घकालिक रणनीतिक योजना की आवश्यकता पड़ेगी। विभिन्न देशों में संप्रभु एआई के उदाहरणों में, सिंगापुर में एक सरकारी-वित्त पोषित एआई मॉडल मौजूद है, जो ग्यारह विभिन्न भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है; मलेशिया का आईएलएमयूचैट मॉडल, जिसे एक स्थानीय निर्माण कंपनी ने बनाया है; और स्विट्जरलैंड में 'एपर्टस',तो दक्षिण कोरिया ने कोरियाई भाषा और डाटा आधारित 'संप्रभु एआई' के निर्माण के लिए 735 बिलियन डॉलर खर्च करने का इरादा किया है। भारत में, मार्च 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी, जिसके तहत 'भारत में एआई का निर्माण और भारत के लिए एआई को उपयोगी बनाने' के उद्देश्य से 38,000 जीपीयू तैनात करके पांच वर्षों में 10,300 करोड़ से अधिक आवंटित किए जाने हैं। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने 2024 की शुरुआत में घोषणा की थी कि 'हर देश को संप्रभु एआई की आवश्यकता है'। एआई संप्रभुता की वैश्विक दौड़ के बीच गौर करने लायक है कि संप्रभु एआई सेवाएं मुख्यतः अमेरिकी और चीन की चंद बड़ी तकनीकी विशेषज्ञता वाली कंपनियों द्वारा प्रदान की जा रही हैं। दुनिया के देश अक्सर बुनियादी ढांचे और चिप्स के लिए अधिकांशतः उन पर दीर्घकालिक निर्भरता के लिए मजबूर हैं। ये बड़ी तकनीकी कंपनियां संप्रभुता को एक सेवा के रूप में प्रदान करके, संप्रभु प्रौद्योगिकी से जुड़े विमर्श को प्रभावित कर रही हैं। एनवीडिया ने इस विश्वव्यापी बुनियादी ढांचे को बनाने वाले हिस्सों को 'एआई फ़ैक्टरी' का नाम दिया है। और यह दुनिया भर के देशों में चिप्स और हार्डवेयर बुनियादी ढांचा स्थापित कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट का अनुबंध यूएई और अन्य देशों के साथ है। अमेज़न वेब सर्विसेज़ 'एडब्ल्यूएस यूरोपियन सॉवरेन क्लाउड' प्रदान करता है। निजी व्यवसाय भी माइक्रोसॉफ्ट के एज़्यूर और गूगल क्लाउड से सॉवरेन क्लाउड का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें डेटा स्थानीयकरण और एन्क्रिप्शन शामिल है। हालांकि, ऐसी 'संप्रभुता को सेवा के रूप में' प्रस्तुत करने को औपनिवेशिक राज का एक समकालीन संस्करण बताने वाली बयानबाज़ी भी शुरू हो गई। उदाहरण के लिए, जून, 2025 में लंदन रिव्यू ऑफ़ बुक्स में प्रकाशित लालेह खलीली के 'सामूहिक संपत्ति, निजी नियंत्रण' शीर्षक वाले लेख में इसका वर्णन किया गया है। पुराने समय में, 19वीं शताब्दी में यूरोपीय शक्तियों द्वारा औपनिवेशिक विस्तार के साधन के रूप में बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) योजनाओं का उपयोग किया जाता था। जिसके तहत निजी,महानगरीय कंपनियां सड़क, रेलमार्ग, बंदरगाह, नहर, टेलीग्राफ लाइन आदि जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए जरूरत का धन, विशेषज्ञता और संसाधन प्रदान करती थीं। उपनिवेशों या उन जगहों पर जहां उनकी सरकार अपनी शक्ति और प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हो। हालांकि, यह एआई संप्रभुता के वर्तमान परिदृश्य से कितना मिलता-जुलता है और कहां पर भिन्न हैं, यह पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं नई राजनीतिक अर्थव्यवस्था के घटकों पर निर्भर है। बहरहाल, अब हर जगह की सरकारें किसी न किसी तरह से अपनी खुद की 'संप्रभु' एआई तकनीक बनाने पर अरबों खर्च करने के लिए मजबूर हैं। इसके कुछ प्रस्तावित विकल्प भी हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका और चीन की दिग्गज कंपनियों के लिए एक प्रतिस्पर्धी प्रतिद्वंद्वी विकसित करने के लिए, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के बेनेट स्कूल फॉर पब्लिक पॉलिसी के शोधकर्ताओं ने एक सार्वजनिक एआई कंपनी बनाने का सुझाव दिया है, जिस पर आने वाला खर्च मध्यम-आय वाले देशों के समूह मिलजुल कर उठाएं।

किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्धिमानी भरे निर्णय लेने होंगे।

लेखक भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता में सांख्यिकी के प्रोफेसर हैं।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य श्रृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत सरकार ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता बार-बार जतायी है। इस संकट से उबरने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्प को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया है। देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश वनों का दायरा को भी बढ़ाने की जरूरत है। विकास देश की प्राथमिकता है, लेकिन यह विकास वनों के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। साथ ही इस दिशा में जो भी कदम उठाये जाएं उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर कितना हो रहा है, इस बात का लगातार मूल्यांकन भी जरूरी है। साथ ही रीति-नीतियों को प्रभावी तरीकों से अमलीजामा पहनाने की जरूरत होगी। जिसके लिये लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाइयों ग्राम पंचायत से लेकर शहरी निकायों को भी शामिल करने की जरूरत होगी। दरअसल, जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट केवल भारत की ही चुनौती नहीं है। यह एक वैश्विक संकट है। जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है।

मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरुआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वार्ताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दरें तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है।

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

वह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ

धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

विचार मंथन

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आईएफएम की कड़ी चेतावनी

(लेखक- सनत जैन)

- अस्थिर मुद्राओं की सूची में शामिल होगी भारतीय मुद्रा

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में दुनिया की तेज़ी से उभरती हुई शक्तियों में शामिल रही है। हाल ही में जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (आईएफएम) ने भारत की मुद्रा स्थिति को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है, वह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक चिंताजनक संकेत हैं। आईएफएम ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है, भारतीय रुपया जल्द ही अस्थिर मुद्राओं की सूची में शामिल किया जा सकता है। यह स्थिति भारत की अर्थव्यवस्था और अर्थ प्रबंधन पर घंभीर सवाल उठाता है। भारत सरकार के आर्थिक नीति-निर्माताओं के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। रुपये की कमजोरी कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में इसकी गिरावट लगातार तेज़ हो रही है। वैश्विक बाज़ार में डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती क़ीमतें और विदेशी निवेश का भारत से पलायन यह तीनों ऐसे कारण हैं जो रुपये पर भारी दबाव डाल रहे हैं। बाहरी कारणों के साथ-साथ घरेलू बाजारों मे भी चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं। बढ़ती महंगाई, नौकरी में छटनी और नई नौकरी नहीं मिलना, रोजगार के अवसरों में ठहराव, औद्योगिक उत्पादन में कमी से आर्थिक असंतुलन बुरी तरह से गड़बड़ाता जा रहा है। आईएफएम की चेतावनी का सबसे अहम कारण जिस तरह से डॉलर की खरीद और बिक्री करके रिजर्व बैंक और अन्य कारोबारी, रुपए की स्थिति को संभालने का प्रयास कर रहे हैं, आईएफएम ने इसको सबसे ज्यादा चिंताजनक माना है। यदि आईएफएम ने रुपया को अस्थिर मुद्रा की श्रेणी में डाल दिया, तो इसका सीधा असर आम भारतीय और भारतीय अर्थ व्यवस्था पर बड़ा गहरा असर पड़ेगा। आयात महंगा होगा, पेट्रोल-डीजल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक की कीमतें उसी हिसाब से बढ़ेंगी। महंगाई तेजी के साथ बढ़ेगी। सरकार, कारोबारी और आम जनता के सामने आर्थिक मुश्किलें और भी बढ़ेंगी। यह स्थिति निवेशकों के विश्वास को शेयर बाजार से हटा सकती है, जिससे शेयर बाज़ार और विदेशी निवेश पर बड़ा नकारात्मक असर पड़ना तय है।

अभी भी विदेशी निवेशक शेयर बाजार से अपना निवेश निकालकर भाग रहे हैं। सोमवार से गुरुवार तक सरकार और भारत की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार को संभालने की कोशिश करती हैं। शुक्रवार आते-आते मार्केट टूट कर मुनाफा वसूली करने लगता है। इसमें भारत की वित्तीय संस्थाएं लगातार खोखली होती चली जा रहे हैं।

इस स्थिति के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक की बनती है। रिजर्व बैंक और आर्थिक नीतियों पर सरकार की दखलंदाजी 2019 के बाद से लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक में अब अर्थशास्त्रियों का स्थान प्रशासनिक अधिकारियों और सरकार के उन लोगों ने ले लिया है जो अर्थ का अ, ब, स, द भी नहीं जानते हैं। वर्तमान स्थिति में केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना होगा, सरकार को वित्तीय घाटे को नियंत्रित करना होगा। उद्योग एवं निर्यात से जुड़े क्षेत्रों को राहत पैकेज देना होगा। गैर जरूरी आयात और भारत से विदेशी मुद्रा को विदेश जाने से रोकने के लिए पर्यटन और घूमने-फिरने जैसे उपायों पर रोक लगानी होगी। ऐसे उपाय करने होंगे, जो रुपये को स्थिर करने में मदद कर सकते हों। सरकार और रिजर्व बैंक को महंगाई पर नियंत्रण रखने की नीतियां बनानी होंगी। नीति-निर्माण में पारदर्शिता के साथ काम करना होगा। भारत के पास संभावनाएँ बहुत हैं। इसके लिए सरकार को स्वयं अर्थव्यवस्था के सत्य को समझने की जरूरत है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अर्थव्यवस्था को लेकर आम आदमी को भी सही स्थितियां बताए। आर्थिक प्रबंधन के मोर्चे पर जो स्थिति देखने को मिल रही है, यदि इसे समय रहते संभाला नहीं गया, तो यह चूक देश को भारी महँगी पड़ सकती है। आईएफएम की चेतावनी को एक तकनीकी रिपोर्ट मानकर अनदेखा करना इस समय की सबसे बड़ी भूल होगी। अर्थव्यवस्था के बारे में भारत के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है। भारतीय अर्थव्यवस्था को त्वरित और निर्णायक सुधारों की जरूरत है। सही समय पर सही कदम न उठाए गए, तो रुपया केवल अस्थिर मुद्रा नहीं, बल्कि आर्थिक जोखिम का बड़ा कारण बन सकता है। सरकार ने पिछले 12 वर्षों में बड़े-बड़े सपने दिखाए हैं, भारतीय अर्थव्यवस्था में डॉलर 90 रूपये पार कर चुका है। भारत के आयात और निर्यात में असंतुलन बना हुआ है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा कम आ रही है। आयात करने के लिए हमें ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रही है। सारे उद्योग और व्यापार इस समय वैश्विक कारोबार कर रहे हैं। इसका असर भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थ व्यवस्था में पड़ना तय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लीला पैलेस ने दुबई के पाम में 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली लीला पैलेस, होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी एरीज होल्डिंग्स के माध्यम से बोरॉन होल्डिंग्स के जरिए दुबई के पाम जुमेरा में लक्ज़री होटल सॉफिटेल द पाम एफजेडई में 25 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। कंपनी ने इस हिस्सेदारी के लिए 437 करोड़ रुपये का निवेश किया है। शेष 75 फीसदी हिस्सेदारी ब्रुकफील्ड द्वारा प्रबंधित निजी फंड खरीदेगा। संपत्ति 23 एकड़ में फैली है और इसमें 546 कमरे हैं, जिनमें 361-कमरों वाला लक्ज़री होटल, 182 ब्रांडेड आवास और तीन विशेष विला शामिल हैं। यह कदम लीला पैलेस के अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति का हिस्सा है, जिसे अक्टूबर में निदेशक मंडल ने मंजूरी दी थी।

एक्स का 922 करोड़ का आईपीओ 3 दिसंबर से खुलेगा

नई दिल्ली एक्स जो टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों और एयरोस्पेस कल-पुर्जों के अनुबंध पर विनिर्माण में विशेषज्ञता रखती है, ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड 118-124 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का आईपीओ कुल 922 करोड़ रुपए का है, जिसमें 670 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से और 252 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश शामिल है। कुल ओएफएस में 2.03 करोड़ शेयर शामिल हैं। आईपीओ 3 दिसंबर से 5 दिसंबर तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 2 दिसंबर को बोली लगा सकते हैं। एक्स अपने शेयरों को 12 दिसंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर सकती है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी पूंजी जुटाकर अपने उत्पादन और विकास परियोजनाओं का विस्तार करने की योजना बना रही है।

सुदीप फार्मा के आईपीओ की शानदार लिस्टिंग

नई दिल्ली सुदीप फार्मा लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को बाजार में 593 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले जोरदार प्रदर्शन करते हुए सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 733.95 रुपए पर शुरू हुआ और बाद में 777 तक पहुँचकर 31 फीसदी की बढ़त दर्ज की। एनएसई पर यह 730 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,567.72 करोड़ रुपए रहा। इसके आईपीओ को 93.71 गुना अभिदान मिला। सुदीप फार्मा दवाइयों, खाद्य और पोषण उत्पादों के लिए विशेष सामग्री और एक्सीपिएंट्स आधुनिक तकनीक से बनाती है।

रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल उत्तर भारत में करेगा बड़ा विस्तार

रेनबों की अगले तीन साल में 900 बेड जोड़ने की योजना

नई दिल्ली हैदराबाद स्थित रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, जो बच्चों के इलाज और प्रसवकालीन देखभाल में विशेषज्ञ है, अब उत्तर भारत में अपनी पैठ मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। समूह अगले तीन वर्षों में अपने अस्पताल नेटवर्क में लगभग 900 बेड जोड़ने की योजना बना रहा है, जिनमें से आधे यानी 450 बेड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में होंगे। इन बेडों में एक 325-बेड वाला मुख्य अस्पताल और एक 125-बेड वाला सैटेलाइट अस्पताल शामिल होगा। रेनबो ने पहले से ही दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में अपनी पहचान बनाई है। अब समूह बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी में 90 बेड और हेन्नूर में 60 बेड, पुणे में 150 बेड और कोयंबतूर में 130 बेड जोड़ने का इरादा रखता है। पुणे की इकाई को एसेट-लाइट सैटेलाइट मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। समूह इस विस्तार पर कुल 800-900 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहा है। योजना में ग्रीनफील्ड अस्पताल और एसेट-लाइट सैटेलाइट मॉडल का मिश्रण शामिल है। सैटेलाइट अस्पताल की लागत लगभग 70 लाख रुपये प्रति बेड होगी, जबकि एसेट-हैवी मॉडल की लागत इससे अधिक होगी।

भारत का बीएफएसआई सेक्टर 20 साल में 60 गुना बढ़ा

अक्टूबर 2025 में बढ़कर 105 लाख करोड़ पहुंचा मार्केट कैप

नई दिल्ली

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) सेक्टर पिछले 20 सालों में अभूतपूर्व विकास देखने को मिला है। 2005 में इस सेक्टर की कुल मार्केट कैप लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपए थी, जो अक्टूबर 2025 में बढ़कर 105 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। यह लगभग 23 फीसदी सालाना वृद्धि दर दर्शाता है और इसे देश के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक सेक्टरों में से एक बनाता है। हालांकि बैंक अभी भी बीएफएसआई सेक्टर का सबसे बड़ा आधार हैं, उनका मार्केट शेयर घटकर 85 से 54 फीसदी रह गया है। इसका कारण बीमा, पूंजी बाजार और फिनटेक कंपनियों का तेजी से उभरना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन सेवाओं ने ग्राहकों को आसान और तेज़ विकल्प उपलब्ध कराए हैं, जिससे नए क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहे हैं।` वित्त वर्ष 15 में बीमा कंपनियों का हिस्सा मात्र एक फीसदी था, लेकिन अब यह 12 फीसदी तक पहुंच चुका है। पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों की हिस्सेदारी भी पहले कम होने के बाद अब 6 फीसदी हो गई है। फिनटेक सेक्टर 2015 तक लगभग अनुपस्थित था, लेकिन अब यह 4 फीसदी हिस्सा ले चुका है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग और वित्तीय सेवाओं की आसान पहुँच ने इसकी वृद्धि को गति दी। एनबीएफसी ने 2005 से 2025 तक अपनी मार्केट कैप में लगभग 100 गुना वृद्धि दर्ज की है।

मीशो की आईपीओ के ज रिए 5,421 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो, जो सॉफ्टबैंक समर्थित है, अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 5,421 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। कंपनी ने इसके लिए 105-111 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ के ऊपरी छोर पर मीशो का कुल मूल्यांकन लगभग 50,096 करोड़ रुपये (5.6 अरब डॉलर) होगा। बड़े निवेशक (एंकर) बोली 2 दिसंबर, आम निवेशकों के लिए बोली 3 से 5 दिसंबर को लगा सकेंगे। इसके आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग 12 दिसंबर को होगी। इस आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपये नए शेयर और 1,171 करोड़ रुपये ओएफएस (पुराने शेयरों की बिक्री) शामिल हैं। मीशो का यह कदम कंपनी को विस्तार के लिए नई पूंजी जुटाने और निवेशकों को तरलता प्रदान करने में मदद करेगा।

स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए अलग नीति की मांग

स्टेनलेस स्टील को राष्ट्रीय इस्पात नीति में शामिल करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग को केवल राष्ट्रीय इस्पात नीति में एक अध्याय जोड़ने की बजाय स्वतंत्र और प्रतिबद्ध नीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्टेनलेस स्टील का उत्पादन, कच्चा माल और अनुप्रयोग कार्बन स्टील से अलग होते हैं, इसलिए इसे अलग नीतिगत ढांचे की जरूरत है। जेएसएल भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील उत्पादक कंपनी है और विशेष स्टील के घरेलू बाजार में इसका लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है। अे धिकारी का कहना है ` कि केवल एक अध्याय जोड़ने से इस उद्योग का महत्व और मूल्य कम हो जाएगा। इस्पात मंत्रालय ने लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करने के लिए स्टेनलेस स्टील को राष्ट्रीय इस्पात नीति में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई नीति में स्टेनलेस स्टील पर एक अलग अध्याय होगा। उन्होंने कहा कि इस नीति में क्षेत्रवार वास्तविकताओं को ध्यान में रखा जाएगा, जैसे कम क्षमता का उपयोग, उच्च उत्पादन लागत और कच्चे माल की कमी। अधिकारी ने यह भी कहा कि स्टेनलेस स्टील के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जरूरी है। इसमें नीति स्तर पर शिक्षा, जमीनी स्तर पर जागरूकता और प्रतिभा संपन्न श्रमशक्ति शामिल हैं। उन्होंने जोर दिया कि स्टेनलेस स्टील की वेल्डिंग सामान्य स्टील से पूरी तरह अलग होती है, इसलिए प्रशिक्षित श्रमिक और तकनीकी तैयारी आवश्यक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भ्र के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.71 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 85,706.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 12.60 अंक की गिरावट के साथ ही 26,202.95 पर बंद हुआ। आज केवल वाहन और फार्मा शेयरों में तेजी रही। निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.59 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.55 फीसदी और निफ्टी कंजप्शन 0.18 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। निफ्टी आईटी 0.11 फीसदी, निफ्टी वित्तीय सेवा 0.20 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.58 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 69.90 अंक टूटकर 61,043.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 47.55 अंक टूटकर 17,829.25 पर था।

सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, टाटा स्टील के शेयर उछले जबकि भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, बीईएल, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक के शेयर गिरे।

वहीं बाजार जानकारों के अनुसार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और आईआईपी डेटा आने से पहले बाजार में हल्की मुनाफावसूली रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती गिरावट से उबरकर हरे निशान में पहुंच गया। सेंसेक्स 85,821 अंक पर 101 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 35 अंकों की बढ़त के साथ 26,251 अंक पर पहुंच गया। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। अमेरिका में थैंक्सगिविंग की वजह से स्टॉक फ्यूचर्स सामान्य रहे। नेस्डेक कम्पो जिट अपनी सात महीने की बढ़त को रोकने की ओर दिखा। अमेरिका में डॉव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 10 अंक बढ़े, जबकि एसएंडपी 500 और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स लगभग स्थिर रहे। नवंबर में अमेरिकी बाजार कमजोर रुझान के साथ बंद होने की संभावना है

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला संपन्न, 18 लाख से अधिक दर्शक पहुंचे

राजधानी के भारत मंडपम में 14 दिनों तक चला भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)

नई दिल्ली

भारतीय व्यापार प्रदर्शनी संगठन (आईटीपीओ) के प्रबंध निदेशक नीरज खारवाल ने कहा कि 14-दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही और कुल 18 लाख से अधिक लोग मेला देखने आए। इस दौरान 18 लाख से अधिक आगंतुक व्यापार मेला देखने आए।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि व्यापार मेला में भागीदार राज्य श्रेणी के तहत राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि बिहार ने रजत पदक और उत्तर प्रदेश ने कांस्य पदक हासिल किया।

विदेशी मंडप श्रेणी में थाईलैंड ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि ईरान और दुबई को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। मंत्रालयों और सरकारी विभागों की श्रेणी में रक्षा मंत्रालय को स्वर्ण पदक मिला।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और बैंक की श्रेणी में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। भारतीय व्यापार प्रदर्शनी संगठन (आईटीपीओ) के प्रबंध निदेशक नीरज खारवाल ने कहा कि 14-दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही और कुल 18 लाख से अधिक लोग मेला देखने आए।

एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड' की परिसंपत्ति बढ़कर 2.5 लाख करोड़ पहुंची

अक्टूबर 2024 में प रिसंप त्ति 2.21 लाख करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली निवेशकों के बीच एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार, अक्टूबर 2025 तक इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार (एयूएम) 2.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर 13 फीसदी की वृद्धि है। अक्टूबर 2024 में यह 2.21 लाख करोड़ रुपये था। निवेशक आधार भी मजबूत हुआ, और फोलियो की संख्या 56.41 लाख से बढ़कर 60.44 लाख हो गई। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब निफ्टी ने एक साल के लिए गिरावट और उच्च अस्थिरता देखी। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक ऐसे फंड की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर विकास और स्थिरता का संतुलन प्रदान करे। एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स ने विभिन्न समय-सीमाओं में मजबूत रिटर्न दिया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी एंड डेब्ट फंड ने दो-वर्षीय सीएजीआर 19.6 फीसदी और पांच-वर्षीय सीएजीआर 24.7 फीसदीप के साथ शीर्ष प्रदर्शन किया। इसके बाद मे हिंद्रा मेनुलाइफ एग्रे सिव हाये ब्रिड फंड ने क्रमशः 19.3 और 20.4 फीसदी का रिटर्न दिया। बंधन, एडलविश और इनवेस्को इंडिया के फंड्स ने भी दो अंकों का रिटर्न दर्ज किया हैं।

रतन टाटा का सेशेल्स बीचफ्रंट विला बिकाऊ

85 लाख वाली प्रॉपर्टी के 55 करोड़ देने को तैयार है ग्राहक

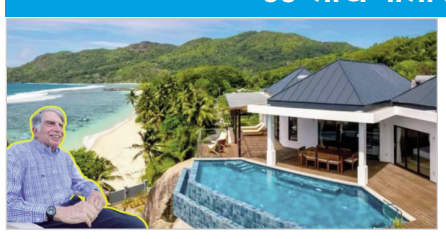

नई दिल्ली

सेशेल्स के माहे द्वीप पर स्थित रतन टाटा का खूबसूरत बीचफ्रंट विला एक बार फिर सुर्खियों में है। टाटा को यह संपत्ति इसलिए मिल सकी थी क्योंकि सेशेल्स सरकार ने उन्हें विशेष अनुमति दी थी, जबकि देश में आमतौर पर विदेशी नागरिकों को प्रॉपर्टी खरीदने की अनुमति नहीं होती।

उस समय एयरसेल के संस्थापक सी. शिवशंकरन ने इस विला की खरीद में रतन टाटा की मदद की थी। अब जानकारी सामने आई है कि शिवशंकरन और उनका परिवार या सहयोगी इस विला को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। विला की आधिकारिक वैल्यूएशन पेशेवर विशेषज्ञों द्वारा लगभग 85 लाख रुपये आंकी गई है, लेकिन संभावित खरीदार इसे करीब 6.2 मिलियन डॉलर (लगभग 55 करोड़ रुपये) में खरीदने की इच्छा जता रहे हैं। यदि यह सौदा पूरा होता है, तो बिक्री से प्राप्त राशि रतन टाटा एंडॉवमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडॉवमेंट ट्रस्ट के पास जाएगी। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस विला को अपनी निवेश फर्म आरएनटी एसो सिएट के नाम किया था, जो सिंगापुर में पंजीकृत है और भारत के कई उभरते स्टार्टअप्स में निवेश कर चुकी है। हालांकि, डील अभी फाइनल नहीं हुई है। जब शिवशंकरन से विला खरीदने की संभावित बातचीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं। यह बयान संकेत देता है कि बातचीत भले चल रही हो, पर अभी समझौता पक्का नहीं हुआ है।

देश की पहली सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा एक्सईवी 9एस लॉन्च

इसका बेहतरीन डिजाइन व फीचर्स, 14 जनवरी 2026 से होगी बुकिंग शुरू

नई दिल्ली

भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल महिंद्रा की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री होती है। निर्माता की ओर से देश की पहली सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा एक्सईवी 9एस लॉन्च कर दी है। इस एसयूवी में दमदार बैटरी और मोटर दी गई है। निर्माता की ओर से इसे बेहतरीन डिजाइन और फीचर्स के साथ लॉन्च किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस एसयूवी में बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं। इसमें एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ड्राइविंग के लिए कई मोड्स, बूस्ट मोड, एलईडी डीआरएल, सीक्वेंशल टर्न इंडीकेटर, लेदर रैप इंटरियर, 18 इंच अलॉय व्हील्स, पैनोरमिक सनरूफ, एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी टेल लाइट, पावर्ड ड्राइवर सीट, फ्लश डोर हैंडल, ड्यूल जोन ऑटो एसी, की-लैस एंट्री, विंडशील्ड के लिए ऑटो डिफॉगर, ट्रिपल स्क्रीन, 16 स्पीकर, हरमन ऑडियो सिस्टम, एनएफसी कार्ड, वायरलैस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, कनेक्टिड फीचर्स, अमेजन एलेक्सा, सात एयरबैग, लेवल-2 एडीएएस, 360 डिग्री कैमरा, फ्रंट पार्किंग सेंसर, सभी पहियों पर डिस्क ब्रेक, ड्राइवर ड्रॉजिनेस सिस्टम, टीपीएमएस जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

महिंद्रा की ओर से इस एसयूवी में बैटरी के दो विकल्प दिए हैं। जिसमें 59 और 79 की क्षमता की बैटरी लगी है। फास्ट चार्जर से एसयूवी को 20 मिनट में 20 से 80 फीसदी चार्ज किया जा सकता है। इसकी मोटर से इसे 180 किलोवाट की पावर मिलती है। साथ ही रीजनरेटिव तकनीक को भी दिया गया है। महिंद्रा की एक्सईवी 9एस को भारतीय बाजार में 19.95 लाख रुपए की एक्स शोरूम प्राइज पर लॉन्च किया है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 29.45 लाख रुपए है। निर्माता की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक एसयूवी की 14 जनवरी 2026 से बुकिंग शुरू हो जाएगी। इसके बाद एसयूवी की डिलीवरी को 23 जनवरी 2026 से की जाएगी।

भारतीय दो पहिया बाजार में 125सीसी सेगमेंट में बढ़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली

भारतीय दोपहिया बाजार में 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में टीवीएस, होंडा, हीरो, सुजुकी और यामाहा जैसे ब्रांडों ने कई मजबूत विकल्प लॉन्च किए हैं, जो युवाओं और शहरों में रोजाना सफर करने वालों के बीच खास लोकप्रिय हैं। इस सेगमेंट में टीवीएस एनटॉर्क 125 को सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस स्कूटर माना जाता है। इसका 124.8सीसी इंजन 7.5 केडब्ल्यू पावर और 11.5 एनएम टॉर्क देता है, जो इसे 98 किमी/ घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचाता है। डिजिटल स्पीडोमीटर, राइडिंग मोड्स, एलईडी लाइटिंग और यूएसबी चार्जिंग जैसे फीचर्स इसे और भी आकर्षक बनाते हैं।

होंडा डियो 125 भी इस वर्ग में एक मजबूत विकल्प है। इसका 125सीसी इंजन 6.11 केडब्ल्यू पावर और 10.5 एनएम टॉर्क पैदा करता है। रिमोट की, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन और टीएफटी मीटर जैसे एडवांस फीचर्स इसे मॉडर्न राइडर्स की पसंद बना रहे हैं। हीरो जूम 125 अपनी हल्की बॉडी, स्पोर्टी डिजाइन और 7.3 केडब्ल्यू पावर वाले इंजन के साथ शहरी सड़कों के लिए खास तौर पर उपयुक्त है। इसकी 95 किमी/ घंटा की टॉप स्पीड और सीक्रेंशियल एलईडी विंकर्स जैसे फीचर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं।

सुजुकी अवेनिस 125 अपने स्पोर्टी लुक और 21.5-लीटर स्टोरेज क्षमता की वजह से प्रैक्टिकल और स्टाइलिश दोनों का मिश्रण है। इसका 6.3 केडब्ल्यू पावर देने वाला इंजन आसानी से 90 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। वहीं यामाहा रेझर 125 अपने टफ डिजाइन और 6.0 केडब्ल्यू पावर वाले इंजन के साथ 90 किमी/घंटा की स्पीड देती है।

इसमें डिजिटल क्लस्टर, एलईडी हेडलाइट और ऑटोमैटिक स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम शामिल हैं। 73,430 रुपये से शुरू होने वाली कीमत के साथ ये पांचों स्कूटर्स 125 सीसी सेगमेंट में पावर और फीचर्स के बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

बैजू रवींद्रन अमेरिकी अदालत में पेश करेंगे ग्लास ट्रस्ट के खिलाफ साक्ष्य

अंतरराष्ट्रीय कानूनी विवाद में बायजू की चुनौती

नई दिल्ली

एडटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बैजू रवींद्रन अमेरिका की अदालतों में साक्ष्य प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उनका दावा है कि ग्लास ट्रस्ट और समाधान पेशेवरों ने उन्हें और अन्य संस्थापकों को बार-बार गुमराह किया और यह झूठा आरोप लगाया कि उन्होंने 53.3 करोड़ डॉलर (अल्फा फंड्स) का गबन किया। यह साक्ष्य डेलावेयर दिवाला अदालत के 20 नवंबर, 2025 के आदेश के खिलाफ अपील के हिस्से के रूप में और संबंधित पक्षों के खिलाफ 2.5 अरब डॉलर से अधिक के दावे के तहत पेश किया जाएगा। रवींद्रन ने अपनी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) के लिए डेलावेयर दिवाला अदालत में अलग याचिका दायर की है। उनका कहना है कि अदालत ने हर्जाने का फैसला समय से पहले जारी किया और ग्लास ट्रस्ट ने सुनवाई से पहले अपनी हर्जाने की मांग वापस ले ली थी। उनकी टीम का कहना है कि अदालत ने गलती से डिफॉल्ट फैसले में हर्जाने का पंचाट शामिल कर दिया, जबकि यह केवल दस्तावेज़ और जानकारी समय पर न देने के लिए दिया जाना चाहिए था। रवींद्रन ने मीडिया को बताया कि पिछले दो सालों से ग्लास ट्रस्ट उनकी और कंपनी की छवि खराब करने में लगा रहा है। उन्होंने कहा कि यह

धन टीएलपीएल और कंपनी के विस्तार के लिए इस्तेमाल किया गया। रवींद्रन ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में वह और अन्य संस्थापक भारतीय और अमेरिकी अदालतों में मुकदमा दायर करेंगे। रवींद्रन का कहना है कि साक्ष्य जल्द ही भारतीय अदालतों के साथ भी साझा किए जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरसीबी के बाद एक और आईपीएल फ्रेंचाइजी बिकने के लिए तैयार, वैल्यूएशन में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग अपने इतिहास के सबसे बड़े ओनरशिप बदलाव का गवाह बन सकता है। लीग में शुक्रवार को उस समय खलबली मच गई, जब जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने x (पूर्व में ट्विटर) पर दावा किया कि दो लोकप्रिय फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और राजस्थान रॉयल्स (RR) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने क्रिकेट जगत और निवेशकों के बीच बड़ी चर्चा छेड़ दी है। माना जा रहा है कि टीम मालिक मौजूदा ऊंची वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए फ्रेंचाइजी बेचने पर विचार कर रहे हैं।

हर्ष गोयनका के दावे से तेज हुई अटकलें

हर्ष गोयनका ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न सिर्फ एक, बल्कि दो IPL टीमें खरीददार तलाश रही हैं। उन्होंने संभावित नए मालिकों के तौर पर पुणे, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और USA के ग्रुपों के शामिल होने की संभावना जताई। इस बयान ने आग में घी का काम किया और IPL की ओनरशिप स्ट्रक्चर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

राजस्थान रॉयल्स: क्या वाकई बिक्री की तैयारी में है फ्रेंचाइजी?

RR को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। इसके मेजॉरिटी शेयरहोल्डर मनोज बडाले हैं, जिन्हें रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स का मजबूत समर्थन प्राप्त है। ना फ्रेंचाइजी और ना ही ओनरशिप ग्रुप ने बिक्री पर कोई बयान जारी किया है। यानी RCB के विपरीत राजस्थान के मामले में दावे अब भी अफवाहों के दायरे में हैं। इसके बावजूद गोयनका के पोस्ट के बाद चर्चाएं काफी बढ़ गई हैं।

RCB: सबसे पारदर्शी और पक्की बिक्री प्रक्रिया

RCB के मामले में तस्वीर काफी साफ है। टीम की पैरेंट कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (USL) ने 5 नवंबर 2025 को टीम पर अपने निवेश का स्ट्रेटेजिक रिव्यू घोषित किया। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा और इसमें तीन संभावनाएं हैं, टीम की पूरी बिक्री, आंशिक हिस्सेदारी बेचना और फ्रेंचाइजी का पूरा स्ट्रक्चर बदलना। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम मालिक डियाजियो RCB की वैल्यूएशन 2 बिलियन (लगभग रू.17,000-18,000 करोड़) के करीब आंक रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो RCB दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में शामिल हो जाएगी।

नए खरीददार कौन हो सकते हैं?

नए ओनर के संभावित नामों में कई हाई-प्रोफाइल इंडस्ट्री लीडर्स दिखाई दे रहे हैं। चर्चित नामों में अदार पूनावाला भी शामिल हैं, जिनकी रुचि इस बिक्री में बताई जा रही है। कई अन्य ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म्स भी इस रेस में उतर सकती हैं। एनालिस्ट्स की राय में RCB की बिक्री 2026 IPL सीजन से पहले भी पूरी हो सकती है।

IPL पर पड़ सकता है बड़ा असर

अगर RCB और RR दोनों टीमों का मालिकाना हक बदलता है, तो IPL के इकोसिस्टम में बड़े बदलाव संभव हैं। नए मालिक फ्रेंचाइजी में ताज़ा निवेश ला सकते हैं। टीम मैनेजमेंट, रणनीतियों और खिलाड़ी खरीद के तरीके में बदलाव दिख सकता है। ब्रांड आइडेंटिटी और फैन कनेक्ट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर RCB जैसी लोकप्रिय टीम में। इन संभावित बदलावों के कारण IPL का अगला चरण नए बिजनेस मॉडल, नई रणनीतियों और नई प्रतिस्पर्धा के साथ और भी रोमांचक हो सकता है।

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसें में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंच। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

2027 विश्वकप तक कोच बने रहेंगे गंभीर : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद जहां प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाने की मांग की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार करते हुए गंभीर पर भरोसा बनाये रखा है। बीसीसीआई के अनुसार अभी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उन्हें अपने काम को करने दिया जाएगा।

गंभीर 2027 विश्वकप तक टीम के साथ बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान पिच, अंतिम ग्यारह और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी क्रम को को लेकर भी गंभीर की रणनीति पर सवाल उठे हैं। गंभीर की ही कोचिंग में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार अभी वह तीनों ही प्रारुपों में मुख्य कोच बने रहेंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर को तीन साल के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। उनका कार्यकाल 2027 विश्व कप तक चलेगा। गंभीर के मार्गदर्शन में भले ही भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मगर उनकी कोचिंग में ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत है।माना जा रहा है कि गंभीर के कोच रहते ही टीम टी20 में आक्रामक होकर उभरी है जिससे उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिपोर्ट में ये बातें भी सामने आई है कि गंभीर से होने वाली बैठक में टीम के प्रदर्शन को सुधारने को लेकर बात की जाएगी और जरूरी फैसले भी लिए जाएंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर ओवर में हरियाणा ने पंजाब को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान अंकित कुमार और निशांत सिंधु के अच्छे प्रदर्शन से हरियाणा ने शुक्रवार को हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप सी क्रिकेट मुकाबले में पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। जिमखाना क्रिकेट मैदान में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 207 रन बनाए। शुरुआती विकेट गिरने के बाद अंकित ने निशांत के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 74 रन बनाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 26 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 51 रन बनाये।

वहीं निशांत संधु ने यशवर्धन दलाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 62 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। निशांत ने 33 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 61 रन बनाये। यशवर्धन दलाल ने 27, जबकि सुमित कुमार ने 28 रन बनाये।

वहीं पंजाब की ओर से अश्विनी कुमार ने ने 3 विकेट जबकि अभिषेक शर्मा, रमनदीप सिंह, हरप्रीत बरार और मयंक मार्कंडेय ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम ने 20 ओवरों में ही 7 विकेट पर 207 रन बना दिये। शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद साहिल अरोड़ा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन बनाकर पारी को संभाला। साहिल ने 18 गेंदों में 11 रन बनाये

नवल वढेरा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर टीम को 145 के स्कोर तक पहुंचाया। अनमोलप्रीत ने 37 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ सबसे अधिक 81 रन बनाये। इनके अलावा, सनवीर सिंह ने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए और टीम को और टीम को 207 रनों पर पहुंचा दिया और मैच बराबरी पर आया गया।

हरियाणा की ओर से अंशुल कंबाज, युजवेंद्र चहल और सामंत जाखड़ ने 2-2 विकेट लिए।।

इसके बाद सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। यहां पंजाब ने 3 गेंदों में दो विकेट खोकर एक रन बनाया। वहीं हरियाणा की टीम ने पहली गेंद पर ही चौके लगाकर मैच जीत लिया।

क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं। इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे। वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, फ्शादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए।फ्र उनकी इस पोस्ट से प्रशसंकों की धड़कन बढ़ गयी है। कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है। वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी। पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी। वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी। लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर जाहिर की खुशी

नई दिल्ली। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने भी भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को अपार गर्व से भर देता है।' भारत के गुजरात प्रांत का अहमदाबाद शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। हाल में ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) की आम बैठक में राष्ट्रमंडल के 74 सदस्य देशों ने इन खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के नाम पर आधिकारिक मुहर लगा दी। राष्ट्रमंडल खेलों की महासभा की बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इन खेलों के लिये अहमदाबाद में मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाज़ी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टैम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस पकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवीसय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका: टैम्बा बावुमा (कप्तान), ओत्तनेल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवॉल्ड ब्रेविस, नांद्र बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्कराम, लुंगी ङ्गिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर डेविड बेकहम भारत की यात्रा पर, बच्चों से मिले

मुंबई । यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर सर डेविड बेकहम इस सप्ताह भारत की यात्रा के दौरान बच्चों और युवाओं से मिले और हर बच्चे के लिए समान अवसर, समावेशन और सशक्तिकरण की अपील की। बेकहम ने कहा, 'मैं आज मैं जिन बच्चों और युवाओं से मिला, उनके जोश, हिम्मत और जुनून को देखकर मैं बहुत खुश हूं। वे कम उम्र में ही बदलाव के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपने भविष्य पर अपनी बात रख रहे हैं। वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं और कई चुनौतियों को पार कर यहां तक पहुंचे हैं। उनका सफर हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों और युवाओं में इन्वेस्ट करते रहना चाहिए।' मुंबई के कूपरेज फुटबॉल ग्राउंड्स में बेकहम ने 12 वर्षीय खुशी और 10 वर्षीय रोहित से मुलाकात की, जिन्हें फुटबॉल ने अपनी ओर आकर्षित किया। फुटबॉल ने उन्हें जीवन कौशल सीखने, आत्मविश्वास, आनंद और अपनापन का अनुभव दिया। खुशी ने कहा, 'मैं हमेशा बहुत शांत और अलग-थलग रहती थी। फुटबॉल खेलने से मुझे खुलने और बेहतर संवाद करने में मदद मिली। मैंने दूसरों के साथ बातचीत करना और निर्णय लेना सीखा।' बेकहम ने यूनिसेफ के सपोर्ट वाले एक प्रोजेक्ट के छोटे बच्चों से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य मुंबई को रहने और खेलने के लिए बेहतर स्थान बनाना है, जहां हर नागरिक अपने समुदाय का समर्थन करने के लिए एकजुट होता है। 9 साल के तीर्थ, जो वेस्ट कम्पोस्ट चैंपियन हैं, ने कहा, 'जब मैंने देखा कि हमारे स्कूल का कचरा कम्पोस्ट में बदल रहा है और पौधों को बढ़ने में मदद कर रहा है – तो मुझे एहसास हुआ कि हम सिर्फ सफाई नहीं कर रहे हैं; हम धरती को वापस जीवन दे रहे हैं।' यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, 'पिछले 20 सालों से यूनिसेफ के गुडविल एंबेसडर के तौर पर, सर डेविड बेकहम ने लगातार दुनिया के बच्चों और उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है। वह भारत और दुनिया भर के बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनकी सराहना उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये है। चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई। इसमें दोनो के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। दोनो की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है। संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई। इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे। संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थीं जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयीं।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल था: बाबर आजम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीत

बाबर आज़म ने केविन पीटरसन के YouTube शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

बाबर और रिज़वान की रिकॉर्ड साझेदारी

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया। विराट कोहली की फिफ्टी के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की ओपनिंग जोड़ी मोहम्मद रिज़वान (79*) और बाबर आज़म (68*) ने बिना विकेट खोए मैच खत्म कर दिया। यह जीत सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मनोबल बढ़ाने वाला मोमेंट था।

बाबर की करियर-डिफाइनिंग इनिंग्स

बाबर ने अपनी कुछ खास इनिंग्स का भी ज़िक्र किया। उनके अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दौरा उनके क्रिकेटिंग माइंडसेट के लिए टर्निंग पॉइंट था, जहाँ उन्होंने डेल स्टेन और कागिसो रबाडा की आक्रमक गेंदबाज़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण पारियाँ खेलीं।2019 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनकी मैच-विनिंग इनिंग को वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक मानते हैं।

कप्तानी छूटने के बाद बाबर का नया लक्ष्य

2023 ODI वर्ल्ड कप और 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। हालांकि हाल ही में टीम में वापसी के बाद बाबर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पाकिस्तान को ICC खिताब दिलाना है। उन्होंने बताया कि वे फिटनेस और स्किल्स पर पहले से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं ताकि देश के लंबे इंतजार को खत्म किया जा सके।

ICC ट्रॉफी जीतना है सबसे बड़ा सपना

बाबर का मानना है कि पाकिस्तान काफी करीब आ चुका है और सही तैयारी तथा फोकस के साथ टीम बड़े टूर्नामेंट जीत सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान ICC ट्रॉफी उठाए। इसके लिए मैं खुद को और बेहतर बनाने में जुटा हूं।'

सैंटियागो नीवा बने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के नये मुख्य कोच, 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करेंगे टीम

नई दिल्ली । स्वीडन के सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाज टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने नीवा को मुख्य कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा है कि उनके आने से मुक्केबाजी टीम और बेहतर होगी। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी रहे हैं। इस दौरान उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। नीवा के ही मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने 2019 विश्वकचैंपियनशिप में पदक जीते थे। तब अमित पंघाल ने रजत जबकि मनीष कौशिक ने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद भारतीय टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी टीम उतारी। इसमें लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य पदक जीता। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक को देखते हुए नीवा का लक्ष्य सभी वजन वर्ग में भारतीय महिला खिलाड़ियों को बेहतर बनाना रहेगा। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा का कोचिंग अनुभव है, उन्होंने विश्व मुक्केबाजी में काफी अच्छी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। इस मौके पर नीवा ने कहा, मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के पांच साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करेंगे। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रबी में लगायें गेहूं

कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है। इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रार्दुभाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।

बीज दर- 125 किलो/हे.

गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्शियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सैल्शियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

बीजोपचार

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराईड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 क्विं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायरम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है. पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेन्टीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रास (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 क्विं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें। बुवाई 4-5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है. जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें। जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैग्नीज सल्फेट उर्वरकों के साथ ऊर कर दें. फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था, फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।

बुवाई का उपयुक्त समयः-25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनावः पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज 3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285. एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1, जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई. 8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा, जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि.

चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

किस्म

जे.जी. 315
जवाहर 218 जे.जी. 130 जे.जी. 412
जे.जी.16 जे.जी.11 जे.जी. 74 1आईसीसीव्ही.10(विजय)
भारती जे.जी.1
जे.जी.के.1

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

लीमा, एजेंसी। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं – एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण – के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अधिकारियों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमले में 3 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी खान जैब ने बताया कि यह हमला हांगू जिले के काजी तालाब पुलिस चेकपोस्ट पर हुआ, जब आतंकवादियों ने पास के पहाड़ से सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। जैब ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा की और बिना किसी देरी के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजने का आदेश दिया।

नेपाल : जेन-जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

धनगढ़ी, एजेंसी। नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन-जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन-जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन-जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन-जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन-जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें छह युवा घायल हो गए थे। इस दौरान पथराव हुआ था। हवाई अड्डे पर तोड़फोड़ के कारण उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था।

इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव, सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स गंभीर घायल

अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प ने यहां के शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में बुधवार शाम व्हाइट हाउस से दो ब्लॉक दूर हुई फायरिंग में नेशनल गार्ड्स के दो मेंबर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे इसी साल मंजूरी मिली थी। हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने दौड़कर हमलावर को काबू कर लिया। गिरफ्तार होने से पहले लाकनवाल को चार गोलियां लगीं और उसे लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया।

ट्रम्प बोले- यह मानवता के खिलाफ अपराध है : अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट इस मामले को आतंकवादी हमले के तौर पर जांच रहा है। हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पेंटागन को

निर्देश दिया कि वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 एक्स्ट्रा नेशनल गार्ड्स भेजे जाएं। ट्रम्प ने कहा कि आरोपी इसकी भारी कीमत चुकाएगा। एपी की खबर के मुताबिक एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि एक गार्ड को सिर में गोली लगी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संदिग्ध को जानवर कहा है। उन्होंने कहा कि वो इसकी बहुत भारी कीमत चुकाएगा।

ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा- हमारी महान नेशनल गार्ड और सुरक्षा बलों पर गर्व है। मैं और मेरी पूरी टीम उनके साथ है। यह पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। यह मानवता के खिलाफ अपराध है।

अभी तक आरोपी का मकसद साफ नहीं : रिपोर्ट के मुताबिक, लाकनवाल ऑपरेशन एलाइज वेलकम प्रोग्राम के तहत अमेरिका में आया था। उसे वॉशिंगटन के बेलिंगहैम बसाया गया था। पुलिस का कहना है कि लखनवाल ने अकेले ही यह हमला किया और अब तक इसका मकसद साफ नहीं है। एनबीसी और वॉशिंगटन पोस्ट का कहना है कि खुफिया इस मामले को आतंकी हमले के रूप में जांच कर रही है। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर की आलोचना करते हुए दावा किया कि संदिग्ध को बाइडेन प्रशासन के समय अमेरिका लाया गया था।

क्या था मकसद : राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के सामने हुई इस गोलीबारी को लेकर डीसी के मेयर म्यूरिल बाउजर ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने यह टार्गेटेड अटैक किया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक आरोपी वहां ऐसे ही टहलते हुए आकर एक मोड़ पर रुका और उसने हैंडगन निकालकर फायरिंग करनी शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फायरिंग का शिकार दोनों नेशनल गार्ड्स सदस्यों के सिर में गोली लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर है। इस गोलीबारी के बाद आसपास मौजूद अन्य सदस्यों ने तुरंत ही वहां आकर हालात को काबू में किया। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उसका क्या मकसद था इसके बारे में फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों संग किया काम : एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि रहमानुल्लाह पिछले काफी समय से वाशिंगटन में ही रह रहा है, लेकिन अभी उसकी और जानकारी निकाली जा रही है। एनबीसी ने रहमानुल्लाह के एक करीबी रिश्तेदार के हवाले से बताया कि रहमानुल्लाह और उसकी पत्नी के कुल पांच लड़के हैं। 2021 में अमेरिका आने से पहले वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ काम करता था। लकनवाल ने 10 साल तक अफगान सेना में काम किया। उस दौरान वह कंधार के एक अड्डे पर तैनात रहा।

एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट, सेना ने कब्जाया राष्ट्रपति भवन

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर आकर बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी थी। गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट ऐसे समय हुआ है, जब तीन दिन पहले ही वहां आम चुनाव हुए। गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने भी फ्रांसीसी मीडिया से बताया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेना ने राष्ट्रीय टीवी पर जारी किया बयान : गिनी बिसाऊ की सेना के प्रवक्ता डिनीस एन चामा ने एक बयान जारी कर बताया कि 'सैन्य कमांड ने राष्ट्रपति को पद से हटा दिया है। नए आदेश तक सभी लोकतांत्रिक संस्थान भी बर्खास्त रहेंगे।' सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश को अस्थिर करने की साजिश रची जा रही थी और चुनाव में भी धांधली की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रीय नेता, ड्रग माफिया और कुछ विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। हालांकि सैन्य प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। सेना द्वारा गिनी बिसाऊ के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और मीडिया संस्थानों की गतिविधियों को भी सीमित कर दिया गया है।

गिनी बिसाऊ में तख्तापलट का लंबा इतिहास : पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में इससे पहले भी चार बार तख्तापलट हो चुका है और कई बार तख्तापलट की कोशिश हो चुकी है। बीते महीने भी तख्तापलट की कोशिश की गई थी। गिनी बिसाऊ ड्रग तस्करी का भी गढ़ बनकर उभरा है और यहां से बड़े पैमाने पर दक्षिण अमेरिकी और यूरोपीय देशों में ड्रग तस्करी की जाती है। गिनी बिसाऊ में रविवार को हुए चुनाव का अभी तक नतीजा जारी नहीं हुआ है, लेकिन राष्ट्रपति उमारो सिसोको एंबोलो और विपक्षी नेता फर्नांडो डियास डा कोस्टा दोनों ने ही जीत का दावा किया है।

कैसे हुआ तख्तापलट : बुधवार दोपहर में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति भवन जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया था और जगह-जगह हथियारबंद सेना के जवान तैनात थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद सेना के जवानों ने राष्ट्रपति भवन पर हमला किया और इस दौरान सेना के जवानों और राष्ट्रपति भवन के गार्ड्स के बीच गोलीबारी हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुनाव आयोग के कार्यालय को सील कर दिया गया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में साल 2020 से कई तख्तापलट हो चुके हैं।

बांग्लादेश में झुग्गी-बस्ती में लगी आग से जलीं 1500 से ज्यादा झोपड़ियां, हजारों लोग बेघर हुए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भीड़भाड़ वाले कोरेल झुग्गी-बस्ती में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को जला दिया या नुकसान पहुंचाया। इसके चलते यहां रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार शाम को लगी और लगभग 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाई जा सकी। अग्निशमन सेवा के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग को पूरी तरह नियंत्रित करने में काफी समय लग गया। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि करीब 1,500 झोपड़ियां जलकर राख हो गई या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुई, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरेल स्लम में करीब 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें से कई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होकर आए शरणार्थी हैं। 160 एकड़ (65 हेक्टेयर) में फैला यह बस्ती ढाका के पॉश गुलशन और बनानी क्षेत्रों के बीच स्थित है और इसके चारों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें हैं।

बताया जाता है कि आग लगने के बाद बस्ती में भारी धुआं फैल गया और निवासी रातभर अपनी झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखते रहे। बुधवार को लोग मलबे से अपनी बची-कुची चीजें निकालने की कोशिश करते दिखे। दमकलकर्मियों ने बताया कि बेहद संकरी गलियां होने के कारण मौके तक पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक लगभग 1.02 करोड़ है, में सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी और शोषण के कारण लोग आकर बसते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं भी लोगों को शहर की इन बस्तियों में रहने को मजबूर करती हैं, जहां वे रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और सफाई कार्य जैसे दिहाड़ी कार्यों से गुजारा करते हैं।

जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान ; 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है। बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। बोरिस ने बताया कि इसी वजह से जर्मनी अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा।

2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस : जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी हमले देश

पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कही। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

नाटो चीफ बोले- रूस शांति समझौते के बाद भी खतरा : नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं। रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

दक्षिण कोरिया ने नूरी रॉकेट से सबसे बड़ा सैटेलाइट किया लॉन्च, स्पेस मिशन में मिली बड़ी कामयाबी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गुरुवार तड़के अपना अब तक का सबसे बड़ा सैटेलाइट नूरी रॉकेट से लॉन्च किया। यह प्रक्षेपण देश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 तक छह मिशन पूरे करने की राष्ट्रीय योजना में यह चौथा लॉन्च है। इस मिशन ने दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता को एक बार फिर उजागर किया है। तीन चरणों वाला नूरी रॉकेट दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित गोहुड के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह उड़ान भरा। एयरोस्पेस अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का उद्देश्य 516 किलोग्राम वजनी विज्ञान सैटेलाइट समेत 12 माइक्रो-सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करना है। लॉन्च के बाद अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि सभी सैटेलाइट्स सही ऊंचाई पर पहुंचते हैं या नहीं।

मुख्य सैटेलाइट की विशेषताएं : इस मिशन में भेजा गया मुख्य सैटेलाइट पृथ्वी से 600 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में घूमने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक वाइड-रेंज एयरग्लो कैमरा लगाया गया है, जो ऑरोरा जैसी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा इसमें प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों की जांच करने वाली अलग-अलग प्रणालियां भी शामिल हैं। सैटेलाइट पर जीवन-विज्ञान से जुड़े प्रयोगों को अंतरिक्ष में परखने का एक विशेष सिस्टम भी लगाया गया है।

12 छोटे 'क्यूब' सैटेलाइट्स भी भेजे गए : इस मिशन की एक और खास बात यह रही कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा तैयार 12 छोटे क्यूब सैटेलाइट्स भी रॉकेट में शामिल थे। इनमें लगाई गई तकनीकों में जीपीएस आधारित पृथ्वी के वायुमंडल का अध्ययन, समुद्री प्लास्टिक पर नजर रखने के लिए इन्फ्रारेड कैमरे, सौर सेल परीक्षण सिस्टम और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की परख करने वाली इकाइयां शामिल हैं।

पिछले लॉन्च की तुलना में बड़ा कदम : यह प्रक्षेपण नूरी रॉकेट का मई 2023 के बाद पहला लॉन्च है। इससे पहले 2023 में नूरी रॉकेट ने 180 किलोग्राम वजनी अवलोकन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया था। नूरी का पहला लॉन्च अक्टूबर 2021 में किया गया था, जो डमी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा था। इसलिए इस चौथे प्रयास को दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में स्थिरता और सुधार का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मिशन की सफलता से दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को नई ऊर्जा मिली है। नूरी कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले अगले दो मिशन 2027 तक पूरे किए जाएंगे, जिनमें और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

ट्रंप ने वार्षिक थैंक्सगिविंग में टर्की पक्षी को माफ किया, डेमोक्रेट नेताओं पर किए कटाक्ष

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में थैंक्सगिविंग समारोह में टर्की पक्षी को औपचारिक माफी देकर व्हाइट हाउस की पारंपरिक रस्म में सद्भावना के बजाय डेमोक्रेट्स का अपमान किया। उन्होंने टर्की को अल साल्वाडोर की एक बदनाम जेल में भेजने का मजाक उड़ाया, जिसका इस्तेमाल अमेरिका से निकाले गए शरणार्थियों को रखने के लिए किया जाता है। वह बोले, पक्षियों का नाम डेमोक्रेटिक दिग्गज चक शूमर और नैंसी पेलोसी के नाम पर चक और नैंसी होना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें (डेमोक्रेट्स को) माफ नहीं करूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि गत वर्ष राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से टर्की को दी गई माफी अमान्य थी क्योंकि उन्होंने ऑटोपेन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, हंटर (बाइडन) कहां है? इसके साथ ही उन्होंने इशारा दिया कि पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को एक बार फिर कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में हंटर बाइडन को माफी देने के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने यह सब मजाक तब शुरू किया जब उन्होंने इलिनोइस के गवर्नर और डेमोक्रेट नेता जेबी प्रिट्जकर पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वह शिकागो में नेशनल गार्ड तैनाती संबंधी व्हाइट हाउस की योजनाओं का विरोध कर रहे हैं।

मजाक: गोबल, तुम्हें बिना शर्त माफ किया जाता है : रोज गार्डन में बैठे श्रोता हंसी-ठिठोली भी करते देखे गए। आखिरकार ट्रंप ने टर्की गोबल और वैडल को माफ किया। ट्रंप ने कहा- गोबल, मैं तुम्हें बस यह बताना चाहता हूं कि तुम्हें बिना शर्त के माफ किया जाता है। उन्होंने पंखों पर हाथ फेरते हुए कहा, इस खूबसूरत पक्षी को कौन नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वैडल को पहले व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में देखा गया था। अमेरिका में हर थैंक्सगिविंग डे पर लोग करीब 4.6 करोड़ टर्की पक्षियों को अपना भोजन बना लेते हैं। यह पक्षी अमेरिकी जनता का नियमित भोजन है। हालांकि परंपरा के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति थैंक्सगिविंग डे पर हर साल दो टर्की को क्षमादान देते हैं। ट्रंप ने भी इसी परंपरा का पालन किया। ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में थैंक्सगिविंग खाने की कीमतें कम हो रही हैं। बता दें, वाशिंगटन में, ट्रंप को अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से पूर्व रिपब्लिकन गठबंधन के टूटने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में, ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फेरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है।

ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है।

1998 में आई थीं अमेरिका, अब हटाए जाने की कार्यवाही जारी : ब्रूना फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने

1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। ष्ठ॥स् का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है।

बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है।

वकील का दावा: ट्रंप प्रशासन की वजह से डीएसीए नवीनीकरण में बाधा उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं।

परिवारिक पृष्ठभूमि: लेविट परिवार से पुराना संबंध : सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं। माइकल लेविट ने सीएनएन की सहयोगी संस्था डब्लयूएमयूआरसे कहा कि उनके बेटे ने मां से गिरफ्तारी के बाद बात नहीं की है और यह स्थिति बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान उनके बच्चे की भलाई पर है।

डीएसीए सुरक्षा पर सरकार का रुख : हाल ही में होमलैंड सिक्योरिटी की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए लाभार्थियों को निर्वासन से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएसीए स्थायी कानूनी स्थिति नहीं देती बल्कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है और इस दौरान भी प्रवर्तन की कार्रवाई संभव है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)